संग्रहालय----------

मुद्रा वह है जिसमें किसी देश की सांस्कृतिक धरोहर के अंतर्निहित घटक होते हैं और जिसमें उस देश के सामाजिक आर्थिक इतिहास की झांकी दिखाई देती है। पूरे विश्व के देशों में सिक्कों की ढलाई कर उन्हें जारी करनेवालों में भारत का स्थान सर्वप्रथम है और इतिहास में दर्ज तमाम मौद्रिक प्रयोगों का स्थान भी भारत में ही रहा है।

भारतीय रिज़र्व बैंक मौद्रिक संग्रहालय का लक्ष्य इस धरोहर का प्रलेखीकरण करना और उसे संरक्षित रखना है। संग्रहालय का प्रस्ताव है कि भारत में भिन्न-भिन्न काल में प्रचलन में रहे प्रातिनिधिक ढलुवा सिक्कों, कागजी मुद्रा, स्वर्ण छड़ियों और साथ ही वित्तीय लिखतों और कौतूहलजनक विषयों के स्थायी, अस्थायी और परिभ्रामी प्रदर्श को प्रदर्शित किया जाए। इसका एक लक्ष्य हिंद महासागर के आस-पास मुद्रा के प्रादुर्भाव पर अनुसंधान और अध्ययन को बढ़ावा देना तथा आम जन के बीच करेंसी तथा वित्त की जानकारी का प्रचार-प्रसार करना भी है।

इस साइट पर उपलब्ध सामग्री मात्र जानकारी के लिए है और इसे रिज़र्व बैंक द्वारा प्रकाशित आंकड़े समझने की भूल न की जाए। कोई भी जानकारी, दर्शकों के अभिमत और पत्राचार आदि museum@rbi.org.in पर भेजे जा सकते हैं।

प्रातिनिधिक भारतीय ढलुवा सिक्के
नमूना

कागज़ी मुद्रा और
आपात मुद्रा...
सिंहावलोकन

देशी बैंकिंग और वित्तीय कौतूहल
एक झलक